www.facebook.com/kheldhaba www.youtube.com/kheldhaba www.twitter.com/kheldhabanews www.kheldhaba.com

खेल ढाबा

पटना, रविवार, 01 अक्टूबर, 2023, ई-पेपर
RNI NUMBER APPLIED

बेन स्टोक्स की वापसी से मजबूत हुई बटलर की टीम पेज 04
सबजूनियर बालक फुटबॉल में बिहार ने त्रिपुरा को 11-0 से हराया पेज 05
कुलदीप विश्व कप में भाग ले रहे स्पिनरों में सर्वश्रेष्ठ : इंतिखाब पेज 04
न्यूजीलैंड को विलियमसन से खिताबी सूखा खत्म करने की उम्मीद पेज 04

शनिवार को पाकिस्तान पर भारत का तिहरा प्रहार

शनिवार को भारतीय खिलाड़ियों ने पाकिस्तान पर तगड़ा प्रहार किया। दो गेम में पाकिस्तान को हरा कर चैंपियन बनने का गौरव हासिल किया जबकि एक में बड़े अंतर से पराजित किया। चीन शहर के हांगझोउ शहर में चल रहे 19वें एशियन गेम्स के पुरुष स्क्वैश भारतीय टीम ने फाइनल में पाकिस्तान को हरा स्वर्ण पदक जीता। वहीं पुरुष हॉकी में ग्रुप मुकाबले में भारत ने पाकिस्तान को 10-2 के भारी अंतर से पराजित किया। ये बात तो एशियन गेम्स की। एशियन गेम्स के बाहर भी भारतीय खिलाड़ियों ने पाकिस्तान को मात दी। नेपाल की राजधानी काठमांडू में खेले गए सैफ अंडर-19 बालक फुटबॉल चैंपियनशिप के फाइनल में भारत ने पाकिस्तान को 3-0 से हरा कर चैंपियन बनने का गौरव हासिल किया।

एशियन गेम्स : स्क्वैश में पाकिस्तान को हरा भारतीय पुरुष टीम ने जीता सोना

हांगझोउ, 30 सितंबर

एशियन गेम्स में भारतीय पुरुष स्क्वैश टीम ने शनिवार को खिताबी मुकाबले में पाकिस्तान को 2-1 से हरा कर स्वर्ण पदक अपनी झोली में डाल लिया।

हांगझोउ ओलंपिक सेंटर में सौरव घोषाल, महेश मनगांवकर और अभय सिंह की टीम ने रोमांचक मैच में पाकिस्तान को 2-1 से हराकर भारत को स्वर्ण पदक दिलाया। पाकिस्तान के इकबाल नासिर ने भारत के महेश मनगांवकर को 3-0 (11-8, 11-3, 11-2) से हराकर मुकाबले की शुरुआत की, लेकिन अगले ही मुकाबले में भारतीय खिलाड़ी सौरव घोषाल ने मोहम्मद आसिम खान को 3-0 (11-5, 11-1, 11-3) से बराकर भारत को बराबरी दिलाई। आखिरी मुकाबले में अभय सिंह और जमान नूर के बीच काफी रोमांक गेम देखने को मिला और अंत में भारतीय खिलाड़ी ने पाकिस्तान स्क्वैश खिलाड़ी को 3-1 (11-7, 9-11, 8-11, 11-9, 12-10) से हराकर यह मुकाबला भारत के पक्ष में कर दिया। भारतीय स्क्वैश खिलाड़ी एक अक्टूबर से एकल और मिश्रित युगल स्पर्धाओं में भाग लेंगे। गौरतलब है कि साल 2010 के एशियन गेम्स में पुरुष इवेंट को शामिल किया गया था और तब से भारत की पुरुष टीम ने इस मल्टी-स्पोर्ट इवेंट के हर संस्करण में पदक अपने नाम किया है। भारत ने इस इवेंट में इससे पहले अपना पहला स्वर्ण पदक जीता था, जिसे इंचियोन 2014 में हासिल किया था।

एशियन गेम्स पर विशेष पेज 2 और 3
बिहार व झारखंड की खबरें पेज-5 पर

पाकिस्तान को हरा भारत ने जीता सैफ अंडर-19 पुरुष फुटबॉल का खिताब

भारत ने आठवीं बार इस खिताब को जीतने का हासिल किया है गौरव

काठमांडू, 30 सितंबर

'पहले इंतजार, फिर प्रहार की नीति पर अमल करते हुये भारत ने शनिवार को पाकिस्तान को 3-0 से हरा कर सैफ पुरुष अंडर-19 चैंपियनशिप के खिताब पर आठवीं बार कब्जा किया। पिछले साल भी इसका खिताब भारत ने ही जीता था बांग्लादेश को हरा कर।

दशरथ स्टेडियम पर भारतीय लड़कों ने पहले हॉफ में संयम का परिचय देते हुये पाकिस्तान की बारीकियों पर गौर किया जबकि दूसरे हाफ में आक्रामक रवैया अख्तियार कर एक के बाद एक तीन गोल दाग दिये। प्रतिभा और संयम के शानदार प्रदर्शन में स्थानापन्न मंगलेंथांग किपगेन एक बार फिर भारतीयों के लिए नायक बनकर उभरे। बुधवार को सेमीफाइनल में मेजबान नेपाल के खिलाफ पेनल्टी स्ट्राइक से जीत दर्ज करने वाले किपगेन ने अपनी चमक बरकरार रखी और पहले दो गोल दागकर पाकिस्तान की महत्वाकांक्षाओं पर पानी फेर दिया। तीसरे गोल में किपगेन की भी भूमिका थी, क्योंकि उनकी चतुर चिप के परिणामस्वरूप ग्वग्मसर गोयारी ने अतिरिक्त समय में तीसरा गोल किया। उन्हें टूर्नामेंट के सबसे मूल्यवान खिलाड़ी का पुरस्कार दिया गया। भारत के युवा खिलाड़ी की प्रभावशाली उपस्थिति तब जीवंत हो गई जब उन्हें दूसरे हाफ की शुरुआत में एबिंदास येसुदासन के विकल्प के रूप में लाया गया।

एशियन गेम्स : पुरुष हॉकी में पाक को 10-2 से पीटकर भारत सेमीफाइनल में

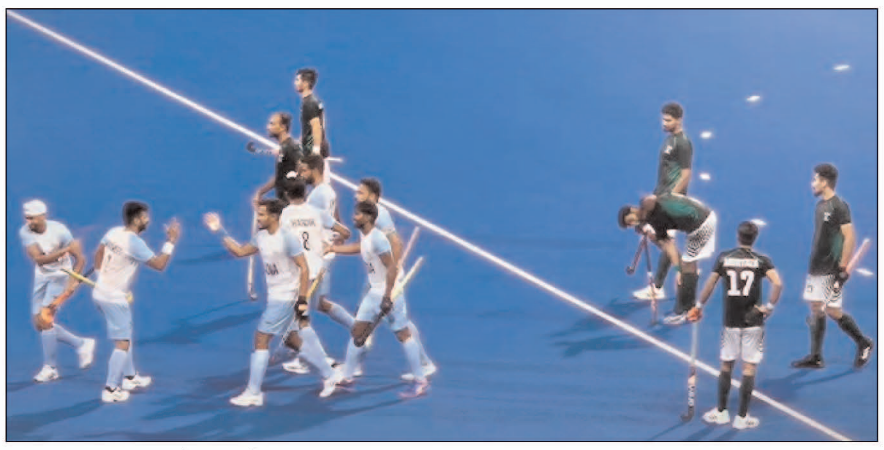

हांगझोउ, 30 सितंबर

कप्तान हरमनप्रीत की हैट्रिक और आक्रामक खेल शैली की बदौलत भारत ने शनिवार को एकतरफा मुकाबले में पाकिस्तान को 10-2 से पीट कर सेमीफाइनल के लिए क्वालिफाई कर लिया है।

कप्तान हरमनप्रीत सिंह ने सबसे अधिक चार गोल किए। दो पेनाल्टी कॉर्नर से और दो पेनल्टी स्पॉट से। वरुण कुमार ने भी दो गोल किए जबकि मंदीप सिंह, सुमित, ललित कुमार उपाध्याय और शमशेर सिंह ने भी गोल दागे। भारत ने ग्रुप चरण में अब तक कुल 46 गोल किए हैं और केवल पांच गोल खाए हैं। वे सोमवार, 2 अक्टूबर को दोपहर 1:15 बजे हांगझोऊ में अंतिम पूल ए मैच में बांग्लादेश से भिड़ेंगे। शनिवार को यहां पाकिस्तान के साथ पूल ए के मुकाबले में भारतीय टीम शुरुआत में ही आक्रामक अंदाज में दिखी। मनदीप सिंह ने 8वें मिनट में गोल दागकर भारत को 1-0 से बढ़त दिलाई। इसके बाद अभिषेक और मनदीप सिंह ने आपस में बेहतरीन तालमेल बनाया और मनदीप ने सिंह ने विपक्षी गोलकीपर को चकमा देते हुए शानदार गोल किया जबकि हरमनप्रीत सिंह ने 11वें मिनट में पेनाल्टी स्ट्रोक को गोल में तब्दील कर भारत की बढ़त को 2-0 तक पहुंचा दिया। पहले क्वार्टर की समाप्ति तक भारत ने 2-0 से बढ़त बना ली। दिलचस्प बात यह है कि ललित कुमार उपाध्याय भारत के लिए अपना 150वां अंतरराष्ट्रीय मैच खेल रहे हैं। इस भारतीय फॉरवर्ड ने 2014 हॉकी विश्व कप में भारत के लिए डेब्यू किया था। 29 वर्षीय खिलाड़ी 2018 एशियाई खेलों में कांस्य पदक जीतने वाली टीम का हिस्सा थे।

एशियन गेम्स : रोहन बोपन्ना और रूतुजा भोसले : टेनिस मिश्रित युगल स्वर्ण

एशियन गेम्स : कार्तिक कुमार : 10,000 मीटर रेस स्पर्धा रजत और गुलवीर सिंह : 10,000 मीटर रेस स्पर्धा कांस्य

एशियन गेम्स : सरबजोत सिंह और दिव्या टीएस : 10 मीटर एयर पिस्टल मिश्रित टीम रजत

बांग्लादेश सेलिब्रिटी क्रिकेट लीग मामूली बाउंड्री के डिसीजन को लेकर बीच मैच में हुआ बवाल, आपस में भिड़े दोनों टीमों के खिलाड़ी

चौके-छक्कों की जगह बरसे लात घूंसे, टूर्नामेंट हुआ रद्द

क्रिकेट को जेंटलमैन गेम कहा जाता है। जहां अलग-अलग टीमों के खिलाड़ियों में खेल भावना देखने को मिलती है। इसके साथ ही मैच के दौरान दोनों टीमों के खिलाड़ियों के लिए अंपायर का फैसला ही सर्वमान्य होता है। हालांकि, कई बार खिलाड़ी अंपायर के गलत फैसले पर नाराजगी व्यक्त करते हैं। लेकिन अंत में उन्हें अंपायर के फैसले को ही मानना पड़ता है। इस दौरान आपने मैदान पर बहस होते तो कई बार देखी होगी। जहां अंपायर के फैसले से नाराज होकर खिलाड़ी दूसरी टीम के खिलाड़ियों और अंपायर्स से बहस करते हैं। लेकिन आपने ऐसा कभी नहीं देखा होगा कि अंपायर के फैसले की वजह से दोनों टीमों के खिलाड़ियों के बीच हाथापाई हो गई हो। यह घटना है बांग्लादेश की।

इन दिनों बांग्लादेश में सेलिब्रिटी क्रिकेट लीग का टूर्नामेंट चल रहा है। इस टूर्नामेंट के ग्रुप स्टेज मुकाबले के दौरान अंपायर के फैसले को लेकर फिल्म निर्माता मुस्तफा कमाल राज और दीपांकर दीपोन के बीच जमकर हाथापाई देखने को मिली। दोनों के बीच की यह कहासुनी इतनी आगे बढ़ गई कि दोनों टीमों के खिलाड़ियों के बीच मारपीट होने लगी। इस दौरान कुल 6 सेलिब्रिटीज बुरी तरह से घायल हो गए। किसी तरह इस लड़ाई पर काबू पाया गया और घायल सेलिब्रिटीज को इलाज के लिए हॉस्पिटल पहुंचाया गया। यह पूरा मामला अंपायर के एक गलत बाउंड्री डिसिजन की वजह से हुआ था। इस मैच में खेल रही बांग्लादेश की एक्ट्रेस राज रिपा ने घटना की पूरी जानकारी दी। मामले के बाद उन्होंने अपने एक इंटरव्यू कहा कि सभी ने देखा मैच के दौरान क्या

हुआ, गेंद बाउंड्री तक जा चुकी थी। लेकिन मैनेजमेंट ने इसे मानने के इंकार कर दिया। इसके साथ ही एक्ट्रेस ने यह भी कहा कि कमाल राज की टीम के खिलाड़ी मैच के दौरान नशे में थे और उन्होंने उनके ऊपर पानी की बोतलें भी फेंकी थी। बता दें कि, इस पूरी घटना के बाद सेमीफाइनल मुकाबले से पहले ही टूर्नामेंट को कैंसिल कर दिया गया है।

खेलढाबा.कॉम के साथ जुड़कर अपने बिजनेस को दें नई उड़ान
विज्ञापन देने के लिए संपर्क करें
Call For Advertisment
7870100025

टेनिस : रोहन बोपन्ना-रुतुजा भोसले की जोड़ी ने जीता स्वर्ण पदक

मिश्रित युगल के फाइनल में चीन ताइपे की जोड़ी को किया पराजित

हांगझोउ, 30 सितंबर

भारत के रोहन बोपन्ना और रुतुजा भोसले ने एशियाई खेलों में टेनिस मिश्रित युगल टूर्नामेंट में स्वर्ण पदक अपने नाम किया।

भारतीय जोड़ी ने शनिवार को चीनी ताइपे के सुंग-हाओ हुआंग और एन शुओ लियांग की जोड़ी को 2-6, 6-3, [10-4] से हरा कर भारत के लिये स्वर्ण पदक जीता। चीनी ताइपे की जोड़ी को हराने के लिए बोपन्ना और भोसले ने एक घंटे 14 मिनट का समय लिया। एशियन गेम्स में बोपन्ना का यह दूसरा स्वर्ण पदक है। इससे पहले एशियन गेम्स में रोहन बोपन्ना ने अपना पहला टेनिस फाइनल खेलते हुए जकार्ता 2018 में पुरुष युगल का स्वर्ण पदक जीता था। हालांकि, हांगझाउ में रोहन बोपन्ना और उनके पुरुष युगल साथी युकी भांबरी राउंड ऑफ 16 से आगे नहीं बढ़ सके।

गौरतलब है कि एशियन गेम्स 2023 टेनिस के पहले राउंड में भारत की मिश्रित जोड़ी को बाई मिला था। दूसरे राउंड में उन्होंने उज़्बेकिस्तान के अकगुल अमानमुराडोवा-मक्सिम शिन को 6-4, 6-2 से हराने के बाद राउंड ऑफ 16 में अयानो शिमिज़ु-शिनजी हजावा को 6-3, 6-4 से हराया था।

रोहन बोपन्ना और रुतुजा भोसले ने टेनिस के मिश्रित युगल क्वार्टरफाइनल में झिबेक कुलम्बायेवा-ग्रिगोरी लोमाकिन की कज़ाकिस्तान की जोड़ी को 7-5, 6-3 से शिकस्त देकर सेमीफाइनल में जगह बनाई थी जहां उन्होंने चीनी ताइपे के हाओ-चिंग चान और यू-सिउ सू को 6-1, 3-6, [10-4] से हराकर फाइनल तक का सफ़र तय किया।

शूटिंग : सरबजोत/दिव्या ने मिश्रित टीम स्पर्धा में जीता रजत

हांगझोउ, 30 सितंबर

भारतीय निशानेबाज सरबजोत सिंह और दिव्या टीएस ने शनिवार को एशियाई खेल 2023 में 10 मीटर एयर पिस्टल मिश्रित टीम शूटिंग स्पर्धा में रजत पदक जीता।

भारतीय जोड़ी स्वर्ण पदक मैच में चीन के बोवेन झांग और रैनक्सिन जियांग से 16-14 से हार गई। सरबजोत सिंह-दिव्या टीएस ने एक समय स्वर्ण पदक प्लेऑफ में 7-3 से बढ़त बना ली थी, लेकिन पुरुषों की व्यक्तिगत स्पर्धा में मौजूदा विश्व चैंपियन झांग बोवेन और टोक्यो 2020 ओलंपिक मिश्रित टीम के स्वर्ण पदक विजेता रैनक्सिन जियांग ने मजबूत वापसी की। चीनी जोड़ी ने पहले स्कोर 7-7 से बराबर किया और फिर दो अंकों से फाइनल जीत लिया। मिश्रित टीम फ़ाइनल में 16 अंक तक पहुँचने वाला पहला पदक जीतता है। एशियाई खेलों 2023 में निशानेबाजी में यह भारत का 19वां पदक था। छह स्वर्ण, आठ रजत और पांच कांस्य पदक के साथ निशानेबाजी में भारत का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है। क्वालिफिकेशन राउंड में, सरबजोत सिंह ने अपने 30 शॉट्स में से 291/300 का स्कोर किया, जबकि दिव्या टीएस 286/300 का स्कोर बनाने में सफल रहीं। वे 577 के संयुक्त स्कोर के साथ 19-टीम स्पर्धा में शीर्ष पर रहे। बोवेन झांग और रैनक्सिन जियांग 576 के स्कोर के साथ दूसरे स्थान पर रहकर फाइनल में पहुंचे। कांस्य पदक के लिए ईरान ने पाकिस्तान को 16-14 से हराया जबकि दूसरे कांस्य के लिए कोरिया गणराज्य ने जापान को 16-8 से हराया। इससे पहले हांग्जो एशियाई खेलों में सरबजोत सिंह ने पुरुषों की 10 मीटर एयर पिस्टल टीम के साथ स्वर्ण पदक जीता था। दिव्या टीएस ने 10 मीटर एयर पिस्टल में रजत पदक अपने नाम किया था। रविवार को शूटिंग स्पर्धाओं के अंतिम दिन भारतीय निशानेबाज पुरुष और महिला ट्रैप स्पर्धाओं में भी प्रतिस्पर्धा करेंगे।

टेबुल टेनिस : पहली बार महिला युगल का पदक पक्का

हांगझोउ, 30 सितंबर

सुतीर्था मुखर्जी और अयहिका मुखर्जी ने शनिवार को यहां क्वार्टर फाइनल में मौजूदा विश्व चैंपियन चेन मेंग और वांग यिडी को हराकर एशियाई खेलों में महिला युगल टेबुल टेनिस स्पर्धा में अपना पहला पदक पक्का किया। आठवीं वरीयता प्राप्त भारतीय जोड़ी ने 11-5, 11-5, 5-11, 11-9 से जीत दर्ज की। एशियाई खेलों में भारत का यह अब तक का तीसरा पदक होगा। इससे पहले जर्कांता में 2018 के एशियाई खेल में पुरुष टीम और मिश्रित युगल शरथ कमल और मनिका बत्रा ने कांस्य पदक जीता था। महिला युगल टेबल टेनिस सेमीफाइनल में सुरतीर्था और अयहिका का मुकाबला डीपीआर कोरिया की सुयोंग चा और सुगयोंग पाक से होगा। अयहिका ने कहा कि मैच वास्तव में अद्‌भुत था (और) हम बिल्कुल भी डरे हुए नहीं थे। वे (चीनी खिलाड़ी) अद्‌भुत हैं, दुनिया के सर्वश्रेष्ठ हैं, लेकिन हम अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन कर रहे थे।''

पहली बार दस हजार मीटर रेस में भारत को दो पदक

कार्तिक कुमार ने जीता रजत पदक और गुलवीर सिंह ने कांस्य

हांगझोउ, 30 सितंबर

भारत के लंबी दूरी के धावक कार्तिक कुमार ने एशियन गेम्स 2023 में शनिवार को पुरुषों की 10000 मीटर रेस में रजत पदक जीता, जबकि गुलवीर सिंह ने उसी स्पर्धा में कांस्य पदक हासिल किया।

यह एशियाई खेलों के 72 वर्षों के इतिहास में पहली बार है जब 10 हजार मीटर दौड़ में भारत ने एक साथ दो पदक जीते हैं। 1951 से एशियाड खेले जा रहे हैं, लेकिन इससे पहले भारत के साथ ऐसा कभी नहीं हुआ था। भारत ने इस स्पर्धा में अब तक कुल सात पदक जीते हैं। इनमें दो स्वर्ण, दो रजत और दो कांस्य पदक शामिल हैं। हालांकि, 2023 में एक साथ दो पदक से पहले पांच पदक अलग-अलग एशियाई खेल में आए थे। 1998 में बैंकॉक में गुलाब चंद के कांस्य पदक के बाद एशियाई खेलों में 10000 मीटर में भारत का यह पहला पदक था। एशियन गेम्स के स्वर्ण पदक विजेता और 5000 मीटर स्पर्धा में डायमंड लीग विजेता बहरीन के बिरहानु बालेव ने 28:13.62 समय के साथ स्वर्ण पदक जीता। कार्तिक कुमार 28:15.38 के समय के साथ दूसरे स्थान पर रहे और उनके बाद गुलवीर सिंह 28:17.21 समय के साथ रहे। दोनों भारतीय एथलीटों ने अपने व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन के साथ पदक जीते। इन दो पदकों के साथ एशियन गेम्स 2023 में एथलेटिक्स मेडल टैली में भारत के पदकों की संख्या तीन हो गई है। इससे पहले किरण बालियान ने शुक्रवार को महिलाओं की शॉट पुट स्पर्धा में कांस्य पदक जीता था। 26 वर्षीय गुलवीर सिंह ने इस साल की शुरुआत में एशियाई चैंपियनशिप में 5000 मीटर में कांस्य पदक जीता था, वहीं 24 वर्षीय कार्तिक कुमार के लिए यह किसी भी बड़े इवेंट में पहला पदक है। इसके अलावा ऐश्वर्या कैलाश मिश्रा ने 400 मीटर हीट में 52.73 सेकेंड के समय के साथ अपने सीजन का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए दूसरा स्थान हासिल किया, लेकिन फाइनल में वह 53.50 के समय के साथ चौथे स्थान पर रहीं। वहीं, बहरीन की ओलुवाकेमी मुजिदत अडेकोया (50.66), सलवा ईद नसेर (50.92) और मलेशिया की शेरेन वल्लाबौय (52.58) ने पोडियम पर जगह बनाई। विश्व चैंपियनशिप 2023 में भारत की एशियाई रिकॉर्ड रिले टीम के सदस्य मोहम्मद अजमल पुरुषों के 400 फाइनल में 45.97 के समय के साथ पांचवें स्थान पर रहे।

बैडमिंटन : भारतीय पुरुष टीम पहली बार फाइनल में

हांगझोउ, 30 सितंबर

किदांबी श्रीकांत के निर्णायक मुकाबले में शानदार खेल के दम पर भारतीय पुरुष बैडमिंटन टीम ने रोमांचक सेमीफाइनल में शनिवार को यहां कोरिया को 3-2 से शिकस्त देकर एशियाई खेलों में पहला स्वर्ण पदक जीतने की उम्मीद जीवंत रखी। भारतीय टीम एशियाड की इस स्पर्धा में पहली बार फाइनल में पहुंची है। विश्व रैंकिंग में सातवें स्थान पर काबिज एचएस प्रणय ने शुरुआती गेम में उलटफेर के बाद मजबूत वापसी करते हुए जियोन ह्योक जिन को 18-21, 21-16, 21-19 से हराया और भारत को 1-0 से आगे कर दिया। सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी शुरुआती युगल मुकाबले में मौजूदा विश्व चैंपियन सियो सेउंग-जे और कांग मिन-ह्युक से 13-21 24-26 से हार गये। लक्ष्य सेन ने इसके बाद अपने दबदबे वाले खेल से मुकाबले में भारतीय टीम की वापसी करायी। उन्होंने ली युंगयु को एकतरफा मुकाबले में 21-7 21-9 से हराकर भारत को 2-1 से आगे कर दिया। एमआर अर्जुन और ध्रुव कपिला की जोड़ी को किम वोन्हो और एनए सुंगसेउंग ने 21-16, 21-11 से हराकर मुकाबला 2-2 से बराबर कर दिया। भारतीय टीम को फाइनल में पहुंचने का दारोमदार अब श्रीकांत पर था लेकिन विश्व रैंकिंग में 163वें स्थान पर काबिज कोरिया के चो गोंयोप ने पहले गेम में पछाड़कर उलटफेर करने की कोशिश की। 2021 के विश्व चैम्पियन श्रीकांत ने हालांकि इसके बाद कोई गलती नहीं की और 12-21, 21-16, 21-14 से जीत मुकाबला भारत के नाम कर दिया। भारत रविवार को फाइनल में जब कई बार के स्वर्ण पदक विजेता चीन का सामना करने उतरेगा तब वह अपने थॉमस कप चैंपियन के स्तर को बरकरार रखना चाहेगा। शनिवार की जीत ने भारत को महाद्वीपीय चैंपियनशिप में बैडमिंटन में कम से कम रजत पदक का आश्वासन दिया, जिसमें दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पीवी सिंधु ने जकार्ता में 2018 संस्करण में महिला एकल में पहली जीत हासिल की। भारतीय पुरुष टीम ने बैडमिंटन टीम चैम्पियनशिप में सियोल 1986 में आखिरी बार पदक जीता था। इसमें प्रकाश पादुकोण और विमल कुमार ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। भारत ने अब तक एशियाई खेलों के इतिहास में 10 बैडमिंटन पदक जीते हैं, जिनमें तीन व्यक्तिगत एकल पदक, तीन पुरुष टीम कांस्य, दो महिला टीम कांस्य के अलावा पुरुष युगल और मिश्रित युगल में एक-एक पदक शामिल हैं।

बॉक्सिंग : प्रीति को ओलंपिक कोटा, तीन के पदक पक्के

हांगझोउ, 30 सितंबर

भारतीय मुक्केबाज प्रीति पवार ने एशियाई खेलों में शनिवार को महिलाओं के 54 किलो सेमीफाइनल में प्रवेश करके पेरिस ओलंपिक का कोटा हासिल किया और पदक भी पक्का कर लिया। वहीं लवलीना बोरगोहेन और नरेंदर ने भी सेमीफाइनल में जगह बनाकर पदक पक्के किये।

उन्नीस वर्ष की प्रीति ने तीन बार की विश्व चैम्पियनशिप पदक विजेता और मौजूदा एशियाई चैम्पियन कजाखस्तान की जाइना शेकेरबेकोवा को 4-1 से हराया।

टोक्यो ओलंपिक कांस्य पदक विजेता लवलीना को पहले दौर में बाय मिला था। उसने दक्षिण कोरिया की सियोंग सुयोन महिलाओं के 75 किलो वर्ग में 5-0 से हराया। नरेंदर (92 किग्रा) ने भी इसी अंतर से ईरान के रामेजानपोर देलावर को हराकर अंतिम चार चरण में जगह बनायी। लवलीना और नरेंदर ओलंपिक कोटा हासिल करने से एक जीत दूर है। सचिन सिवाच ने कुवैत के तुर्की अबुकुथाईलाह से वॉकओवर मिलने से 57 किग्रा वर्ग के क्वार्टरफाइनल में प्रवेश किया।

लेकिन विश्व चैम्पियनशिप के कांस्य पदक विजेता निशांत देव का सफर 2021 विश्व चैम्पियन सेवोन ओकाजावा से 0-5 की हार से खत्म हो गया। प्रीति ने आक्रामक शुरूआत की लेकिन उसकी अनुभवी प्रतिद्वंद्वी ने कई बार उसके रक्षण में सेंध मारी। इसके बावजूद प्रीति ने विचलित हुए बिना पहले दौर में 3-2 की बढ़त बना ली। आखिरी तीन मिनट में दोनों मुक्केबाजों ने एक दूसरे पर जमकर घूंसे बरसाये लेकिन सटीक नहीं लगे। कजाखस्तान की खिलाड़ी पर थकान हावी हो गई और प्रीति ने आक्रामकता बरकरार रखते हुए जीत दर्ज की।

इससे पहले निकहत जरीन ने भी ओलंपिक कोटा हासिल कर लिया था।

महिला वर्ग में 50 किलो, 54 किलो, 57 किलो और 60 किलो में सेमीफाइनल में पहुंचने वाले और 66 किलो तथा 75 किलो में फाइनल में पहुंचने वाले मुक्केबाजों को पेरिस ओलंपिक का कोटा मिलेगा।

पुरुष वर्ग में सात वजन वर्गों से स्वर्ण और रजत पदक विजेताओं को ओलंपिक कोटा मिलेगा।

भारोत्तोलन : स्टेज पर गिर गईं ओलंपिक पदक विजेता मीराबाई चानू

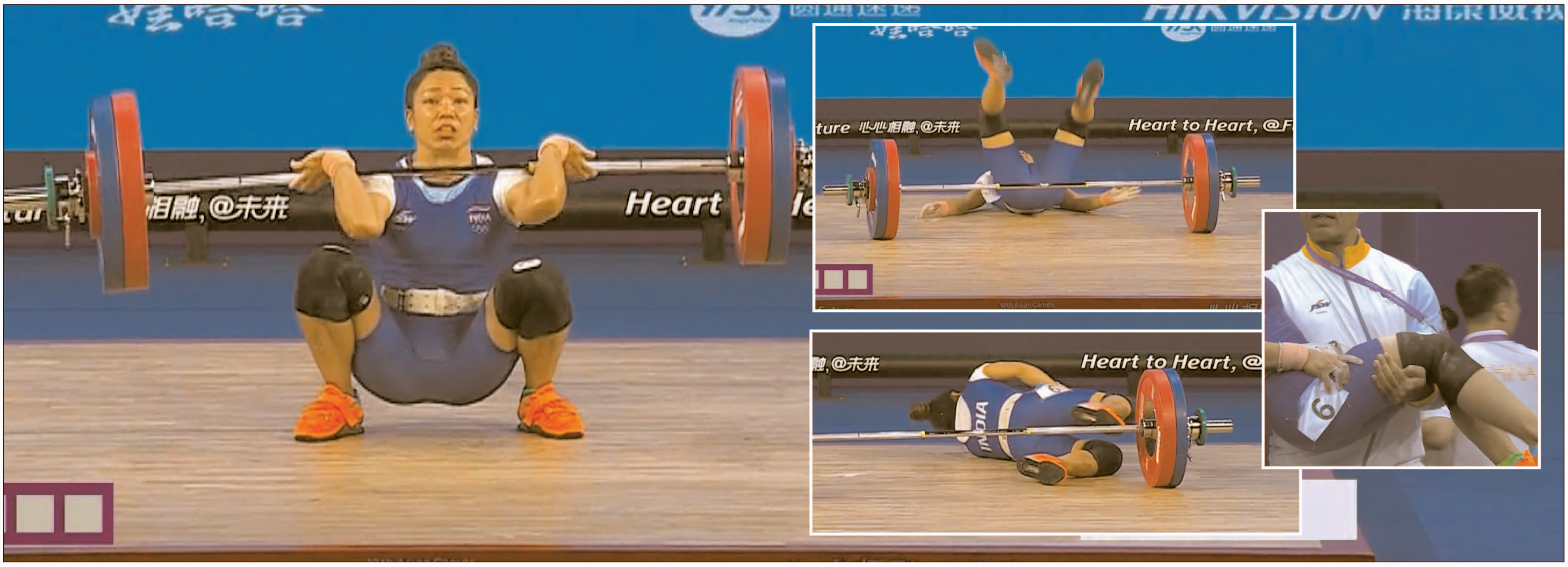

फिर खाली हाथ लौटीं मीराबाई चानू, चौथे स्थान पर रहीं

हांगझोउ, 30 सितंबर

भारत की शीर्ष भारोत्तोलक मीराबाई चानू का एशियाई खेलों में अभियान निराशानजक तरीके से समाप्त हुआ जिसमें यह ओलंपिक पदक विजेता शनिवार को महिलाओं की 49 किग्रा स्पर्धा में खुद को चोटिल कर बैठी और चौथे स्थान पर रहीं।

स्नैच में निराशाजनक प्रदर्शन के बाद चानू दबाव में थीं और क्लीन एवं जर्क में 117 किग्रा वजन उठाने की कोशिश कर रही थीं जिससे वह कांस्य पदक जीत सकती थीं लेकिन दो बार ऐसा करने में विफल रहीं। अंतिम प्रयास में वह अपनी पीठ के बल गिर गयीं और उन्हें स्टेज से उठाकर ले जाना पड़ा। वह एरीना से लंगड़ाती हुई बाहर गयीं।

स्नैच वर्ग में वह केवल 83 किग्रा का ही वजन उठा सकीं और 86 किग्रा उठाने के दो प्रयासों में विफल रहीं। अंतिम स्नैच में वह 'स्क्वैट पाजीशन' से उठ ही नहीं सकीं और आगे की ओर गिर गयी जिससे 'बार' उनकी पीठ पर गिर गया। छह भारोत्तोलकों ने स्नैच में उनसे बेहतर वजन उठाया।

ब्रिज : भारतीय पुरुष टीम दूसरे स्थान पर कायम

भारतीय पुरुष टीम शनिवार को यहां एशियाई खेलों की ब्रिज स्पर्धा में दूसरे स्थान पर बरकरार है और मिश्रि टीम एक स्थान के सुधार से चौथे स्थान पर पहुंच गयी है लेकिन महिला टीम सातवें स्थान पर खिसक गयी है।

भारतीय पुरुष टीम 196 बोर्ड पर 205.98 अंक से दूसरे स्थान पर बनी हुई है जबकि हांगकांग ने जापान के पछाड़कर पहला स्थान हासिल कर लिया है। पुरुषों के राउंड रॉबिन 2-1 मैच में भारत ने फिलीपींस पर 18.65-1.35 से और पाकिस्तान पर राउंड रॉबिन 2-2 मैच में 17.91-2.09 से जीत हासिल की। बाद में पुरुष टीम को बांग्लादेश और थाईलैंड से हार का सामना करना पड़ा।

भारत की मिश्रित टीम शुक्रवार को पांचवें स्थान पर थी लेकिन अब 178.62 अंक से चौथे स्थान पर पहुंच गयी। चीनी ताइपे शीर्ष पर बनी हुई है जिसके बाद थाईलैंड दूसरे और चीन तीसरे स्थान पर है। भारतीय महिला टीम को हालांकि हांगकांग से राउंड रॉबिन 2-1 मैच में 3.45-16.55 और राउंड रॉबिन 2-2 मैच में चीन से 1.24-18.76 से हार मिली। इसके बाद टीम ने राउंड रॉबिन 2-3 मैच में इंडोनेशिया को हराया। भारतीय महिला टीम अंतिम स्थान पर चल रही दक्षिण कोरिया से एक स्थान ऊपर है।

3 गुणा 3 महिला बास्केटबॉल : भारतीय टीम क्वार्टर फाइनल में

भारतीय महिला 33 बास्केटबॉल टीम ने शनिवार को यहां एशियाई खेलों के क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया, लेकिन पुरुषों का अभियान प्री-क्वार्टर फाइनल चरण में समाप्त हो गया। महिला टीम ने अंतिम-16 चरण के अपने मैच में मलेशिया को 16-6 से हराया। इस मैच में वैष्णवी यादव ने अपने खेल से प्रभावित करते हुए नौ अंक हासिल किए। महिला टीम उज्बेकिस्तान को हराकर अपने ग्रुप में दूसरे स्थान पर रही थी जबकि पिछले सत्र की स्वर्ण पदक विजेता चीन के खिलाफ उसे शर्मनाक हार का सामना करना पड़ा था। क्वार्टर फाइनल में महिला टीम के सामने चीनी ताइपै की चुनौती होगी। पुरुषों के वर्ग में भारतीय टीम को हालांकि हार का सामना करना पड़ा। ईरान ने करीबी मुकाबले में भारत को 19-17 से हराकर टूर्नामेंट से बाहर का रास्ता दिखाया। प्रिंसपाल सिंह ने भारत के लिए नौ अंक बनाये लेकिन यह टीम को आगे ले जाने के लिए काफी नहीं था। भारतीय पुरुष टीम पूल चरण में दूसरे स्थान पर रही थी। टीम ने इस दौरान मलेशिया और मकाऊ को हराया था लेकिन चीन की चुनौती से पार नहीं पा सकी थी।

हैंडबॉल : महिला टीम का अभियान एकमात्र जीत के साथ खत्म

भारतीय महिला हैंडबॉल टीम ने निचली रैंकिंग वाली नेपाल टीम को अपने आखिरी मैच में हराकर एशियाई खेलों में एकमात्र जीत के साथ अपने अभियान का अंत किया।

भारत पांचवें स्थान पर रहा। भारतीय टीम ने ग्रुप बी के मैच में नेपाल को 44- 19 से हराया। भारत के लिये निधि शर्मा ने सर्वाधिक 11 अंक बनाये। पहले दो मैचों में भारत को 2018 के रजत पदक विजेता जापान और कांस्य पदक विजेता चीन ने हराया था। वहीं हांगकांग के खिलाफ एक मैच ड्रॉ रहा था। भारत पिछली बार एशियाई खेलों में नौवे स्थान पर रहा था।

गोल्फ : अदिति अशोक ऐतिहासिक स्वर्ण के करीब

हांगझोउ, 30 सितंबर। ओलंपियन अदिति अशोक ने तीसरे दौर में 11 अंडर 61 का स्कोर किया और एशियाई खेलों की गोल्फ स्पर्धा में ऐतिहासिक व्यक्तिगत स्वर्ण के करीब पहुंच गई। अदिति को अब अपनी निकटतम प्रतिद्वंद्वी से सात शॉट की बढत हासिल है। वहीं भारतीय महिला टीम को थाईलैंड पर एक शॉट की बढत मिली हुई है। एशियाई खेलों में भारत की किसी महिला गोल्फर ने पदक नहीं जीता। अदिति 2014 में इंचियोन एशियाई खेलों में 21वें स्थान पर रही थी। भारत की प्रणवी उर्स 11वें और अवनी प्रशांत संयुक्त 19वें स्थान पर हैं।

पुरूष खिलाड़ियों के लिये यह दिन अच्छा नहीं रहा। भीषण गर्मी के कारण अनिर्बान लाहिड़ी को मेडिकल मदद लेनी पड़ी। वह संयुक्त 17वें स्थान पर है जबकि एसएसपी चौरसिया संयुक्त 20वें और खालिन जोशी संयुक्त 24वें स्थान पर है। शुभंकर शर्मा संयुक्त 34वें स्थान पर हैं। भारतीय पुरूष टीम 32 अंडर के स्कोर के साथ संयुक्त आठवें स्थान पर है और पदक की दौड़ से बाहर है।

कुराश : पिंकी बलहारा क्वार्टर फाइनल में हारी

जकार्ता एशियाई खेल 2018 की रजत पदक विजेता भारत की पिंकी बलहारा एशियाई खेलों की कुराश स्पर्धा में महिलाओं के 52 किलो क्वार्टर फाइनल में हारकर बाहर हो गई। पिंकी को उजबेकिस्तान की सितोरा एल्मुरोडोवा ने हराया। इससे पहले पिंकी ने दक्षिण कोरिया की जो यि ली को 5-3 से हराया। उसने अंतिम 32 में एशिरिन हेडारोवा को 5-0 से मात दी थी। भारत के बाकी खिलाड़ी हारकर बाहर हो गए। सुचिका तरियाल महिलाओं के 52 किलो वर्ग में अंतिम 32 से ही बाहर हो गई। उन्हें फिलीपींस की चार्मिया किलिनो ने 8-3 से हराया। वहीं पुरूषों के 66 किलोवर्ग में केशव को दक्षिण कोरिया के जेडियोग क्वोन ने 10-0 से मात दी। अब रविवार को विशाल रूहील (81 किलो), यश कुमार चौहान (90 किलो) और ज्योति टोकस (87 किलो) पर भारत की उम्मीदों का दारोमदार होगा।

घुड़सवारी : लिमये इवेंटिंग ड्रेसेज में शीर्ष, भारत तीसरे स्थान पर

भारत के आशीष लिमये एशियाई खेलों में शनिवार को घुड़सवारी में इवेंटिंग ड्रेसेज स्पर्धा में शीर्ष रहे। लिमये ने सिर्फ 26.90 पेनाल्टी अंक के साथ शीर्ष स्थान हासिल किया। भारत के अपूर्व दाभाडे आठवें और विकास कुमार 16वें स्थान पर रहे जिनका स्कोर क्रमशः 29.60 और 32.40 था। टीम वर्ग में भारत 88.90 पेनाल्टी अंक के साथ तीसरे स्थान पर रहा। इवेंटिंग स्पर्धा तीन दिन तक चलती है जिसमें घोड़ा और राइड साथ में ड्रेसेज, क्रॉस कंट्री और शो जंपिंग में भाग लेते हैं। क्रॉस कंट्री रविवार को और जंपिंग सोमवार को होगी।

स्केटिंग : आनंद और सिद्धांत छठे और सातवें स्थान पर

भारत के आनंद कुमार वेलकुमार और सिद्धांत कांबले ने एशियाई खेलों में पुरूषों की स्पीडस्केटिंग 10000 मीटर फाइनल में क्रमशः छठा और सातवां स्थान हासिल किया। आनंद ने 15:40.978 और सिद्धांत ने 15:57.944 का समय निकाला। दक्षिण कोरिया के बायोनी जियोंग ने 15:39.867 के साथ स्वर्ण पदक जीता। चीन के झांग झेनहाइ को रजत और कोरिया के चोइ इन्हो को कांस्य पदक मिला। महिलाओं के वर्ग में अराती कस्तूरी राज पांचवें और हीरल साधू सातवें स्थान पर रही। चीनी ताइपै की पेइ यू शिह को स्वर्ण और हो चेन यांग को रजत पदक मिला। दक्षिण कोरिया की यू गाराम को कांस्य पदक मिला।

कैनो और कयाक स्पर्धा : भारतीय खिलाड़ी फाइनल में

भारत के नीरज वर्मा के अलावा पुरुष और महिला युगल जोड़ियों ने शनिवार को यहां एशियाई खेलों में कैनो स्प्रिंट स्पर्धा के फाइनल के लिए क्वालीफाई किया।

हीट एक में अंतिम क्वालिफिकेशन से चूकने के बाद नीरज ने कैनो एकल 1000 मीटर सेमीफाइनल में 4:31.626 सेकेंड का समय लेकर शीर्ष स्थान हासिल किया। उन्होंने हीट में 4:25.162 सेकेंड का समय निकाला। ताइपै के कुआन-चीह लाई 4:02.431 सेकेंड का शानदार समय लेकर विजेता बने। इसके बाद चार कैनो खिलाड़ियों के सेमीफाइनल में शीर्ष तीन पदक दौर में पहुंचे। इसमें नीरज ने शीर्ष स्थान हासिल किया। आठ खिलाड़ियों का फाइनल सोमवार को होगा। रिबासन सिंह निंगथौजम और ज्ञानेश्वर सिंह फिलेम की भारतीय टीम सेमीफाइनल में 1:57.225 सेकेंड के संयुक्त समय के साथ तीसरे स्थान पर रहने के बाद कैनो युगल 500 मीटर फाइनल में पहुंच गई। यह टीम हीट में 1:54.829 सेकंड के समय के साथ चौथे स्थान पर थी। बिनीता चानू ओइनम और पार्वती गीता की भारतीय जोड़ी महिलाओं की कयाक युगल 500 मीटर सेमीफाइनल में 2:07.036 सेकेंड के संयुक्त समय के साथ दूसरे स्थान पर रही। यह जोड़ी हीट में 2:06.956 सेकेंड के समय के साथ चौथे स्थान पर थी। भारत ने एशियाई खेलों में इस खेल में अब तक केवल एक कांस्य पदक 1994 हिरोशिमा में जीता है।

शतरंज : भारतीय महिला टीम ने वियतनाम को हराया

हांगझोउ, 30 सितंबर। आर वैशाली के शानदार खेल के दम पर दूसरी वरीयता प्राप्त भारतीय महिला शतरंज टीम ने शनिवार को यहां एशियाई खेलों की टीम स्पर्धा के दूसरे दौर में वियतनाम पर 2.5-1.5 से जीत दर्ज की। शीर्ष वरीयता प्राप्त पुरुष टीम को उज्बेकिस्तान की मजबूत टीम ने 2-2 से बराबरी पर रोका। इस स्पर्धा सभी चार मैच ड्रॉ पर समाप्त हुए।

वैशाली ने काले मोहरों से खेलते हुए महिला ग्रैंडमास्टर वो थी किम फुंग के खिलाफ शुरुआती मुकाबले मे जीत दर्ज की। देश की शीर्ष महिला खिलाड़ी कोनेरू हंपी और वंतिका अग्रवाल ने इसके बाद अपने-अपने मुकाबले ड्रॉ खेले। इसके बाद वी सविता श्री भी वियतनाम की थी बाओ ट्राम होआंग को बराबरी पर रोकने में सफल रही।

पुरुषों में डी गुकेश, आर प्रज्ञानानंदा, विदित गुजराती और अर्जुन एरिगैसी ने क्रमशः नोदिरबेक अब्दुसत्तारोव, जवाखिर सिंदारोव, नोदिरबेक याकुबोएव, शम्सिद्दीन वोखिदोव के खिलाफ मुकाबला ड्रॉ खेला।

वॉलीबॉल : भारतीय महिला टीम पहला मैच हारी

भारतीय महिला वॉलीबॉल टीम की एशियाई खेलों में शुरुआत निराशाजनक रही जिसे पहले मैच में उत्तर कोरिया ने 3-1 से हरा दिया। भारत ने पहला सेट जीता लेकिन लय बरकरार नहीं रख सके। पूल ए के इस मैच में उत्तर कोरिया ने उसे 23-25, 25-22, 25-17 से हराया। उत्तर कोरिया की योंजू किम ने 30 अंक बनाये जबकि भारत की सूर्या ने 18 अंक जोड़े। भारत का सामना रविवार को अगले पूल मैच में चीन से होगा। भारतीय पुरूष टीम छठे स्थान पर रही थी।

भारत का शेड्यूल : 1 अक्टूबर

तीरंदाजी

रिकर्व पुरुष व्यक्तिगत क्वालिफिकेशन राउंड (धीरज बोम्मदेवरा, अतानु दास, मृणाल चौहान, तुषार शेल्के) – सुबह 6:30 बजे से

कंपाउंड महिला व्यक्तिगत क्वालिफिकेशन राउंड (अवनीत कौर, ज्योति सुरेखा वेन्नम, अदिति स्वामी, परनीत कौर) – सुबह 6:30 बजे से

रिकर्व महिला व्यक्तिगत क्वालिफिकेशन राउंड (भजन कौर, प्राची सिंह, अंकिता भक्त, सिमरनजीत कौर) – सुबह 11:50 बजे से

कंपाउंड पुरुष व्यक्तिगत क्वालिफिकेशन राउंड (प्रथमेश जावकर, रजत चौहान, ओजस देवताले, अभिषेक वर्मा) – सुबह 11:50 बजे से

एथलेटिक्स

मेडल इवेंट: महिलाओं का हेप्टाथलॉन इवेंट (स्वप्ना बर्मन, नंदिनी अगासरा) – सुबह 6:30 बजे से; फाइनल इवेंट शाम 6:15 बजे से

महिलाओं की 200 मीटर राउंड 1 हीट (ज्योति याराजी) – सुबह 7:10 बजे से

पुरुषों की 200 मीटर राउंड 1 हीट और सेमीफाइनल (अमलान बोरगोहेन) – सुबह 7:45 बजे से

मेडल इवेंट: पुरुषों का शॉट पुट फाइनल (तजिंदरपाल सिंह तूर, साहिब सिंह) – शाम 4:30 बजे से

मेडल इवेंट: पुरुषों का लॉन्ग जंप फाइनल (मुरली श्रीशंकर, जेसविन एल्ड्रिन) – शाम 4:40 बजे से

मेडल इवेंट: पुरुषों का 3000 मीटर स्टीपलचेज फाइनल (अविनाश साबले) – शाम 4:45 बजे से

मेडल इवेंट: महिला डिस्कस थ्रो फाइनल (सीमा पूनिया) – शाम 5:35 बजे से

मेडल इवेंट: महिलाओं का 1500 मीटर फाइनल (हरमिलन बैंस, दीक्षा) – शाम 5:50 बजे से

मेडल इवेंट: पुरुषों का 1500 मीटर राउंड फाइनल (अजय कुमार सरोज, जिन्सन जॉनसन) – शाम 6:00 बजे से

मेडल इवेंट: महिलाओं का 100 मीटर हर्डल रेस फाइनल (ज्योति याराजी, नित्या रामराज) – शाम 6:45 बजे से

बैडमिंटन

मेडल इवेंट: पुरुष टीम स्वर्ण पदक मैच (एचएस प्रणय, किदांबी श्रीकांत, लक्ष्य सेन, मिथुन मंजूनाथ, सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी/चिराग शेट्टी, ध्रुव कपिला/एमआर अर्जुन): भारत बनाम चीन – दोपहर 2:30 बजे से

बास्केटबाल

महिला प्रिलिमिनरी राउंड ग्रुप अ: भारत बनाम चीन – शाम 5:30 बजे से

बॉक्सिंग

महिलाओं का 50 किग्रा सेमीफाइनल: निकहत जरीन (भारत) बनाम चुथमत रक्सत (थाईलैंड) – शाम 4:30 बजे से

महिलाओं का 57 किग्रा क्वार्टरफाइनल: परवीन (भारत) बनाम सितोरा टर्डिबेकोवा (उज्बेकिस्तान) – सुबह 11:45 बजे से

महिलाओं का 60 किग्रा क्वार्टरफाइनल: जैस्मीन (भारत) बनाम अनगयोंग वोन (कोरिया) – दोपहर 12:30 बजे से

ब्रिज

पुरुष, महिला और मिश्रित टीम राउंड रॉबिन 2 (भारतीय टीम) – सुबह 6:30 बजे से

कैनोइंग

एक से अधिक स्प्रिंट रेस हीट और सेमीफाइनल (एक से अधिक एथलीट) – सुबह 7:00 बजे से

शतरंज

पुरुष टीम राउंड 3 (गुकेश डी, विदित गुजराती, अर्जुन एरीगैसी, पेंटाला हरिकृष्णा, रमेशबाबू प्रगनानंद) – दोपहर 12:30 बजे से

महिला टीम राउंड 3 (कोनेरू हम्पी, हरिका द्रोणावल्ली, वैशाली रमेशबाबू, वंतिका अग्रवाल, सविता श्री बी) – दोपहर 12:30 बजे से

इक्वेस्ट्रियन (घुड़सवारी)

इवेंटिंग क्रॉस कंट्री टीम और व्यक्तिगत इवेंट (अपूर्व किशोर दाभाड़े, विकास कुमार, आशीष विवेक लिमये) – सुबह 5:30 बजे से

गोल्फ

मेडल राउंड: पुरुष व्यक्तिगत और टीम राउंड 4 (अनिर्बान लाहिड़ी, शुभंकर शर्मा, एसएसपी चौरसिया, खलिन जोशी) – सुबह 4:00 बजे से

मेडल राउंड: महिला व्यक्तिगत और टीम राउंड 4 (अदिति अशोक, अवनी प्रशांत, प्रणवी उर्स) – सुबह 4:00 बजे से

हॉकी

प्रिलिमिनरी महिला पूल ए: भारत बनाम दक्षिण कोरिया – दोपहर 1:30 बजे से

कुराश

मेडल इवेंट: पुरुष – 81 किग्रा (विशाल रुहिल) – सुबह 7:00 बजे से (मेडल राउंड सुबह 11:30 बजे से)

रोलर स्केटिंग

मेडल इवेंट: पुरुष स्पीड स्केटिंग 1000 मीटर स्प्रिंट हीट, सेमीफाइनल और फाइनल (विक्रम राजेंद्र इंगले, आर्यनपाल सिंह घुमन) – सुबह 6:30 बजे से

मेडल इवेंट: महिला स्पीड स्केटिंग 1000 मीटर स्प्रिंट हीट, सेमीफाइनल और फाइनल (कार्तिका जगदीश्वरन, संजना बथुला) – सुबह 7:00 बजे से

सेपकटाकरा

महिला क्वाडरैंट प्रिलिमिनरी ग्रुप इ: भारत बनाम लाओस – सुबह 7:30 बजे से

पुरुष क्वाडरैंट प्रिलिमिनरी ग्रुप इ: भारत बनाम जापान – सुबह 11:30 बजे से

महिला क्वाडरैंट प्रिलिमिनरी ग्रुप इ: भारत बनाम चीन – दोपहर 12:30 बजे से

शूटिंग

पुरुष ट्रैप क्वालिफिकेशन स्टेज 2, टीम पदक और व्यक्तिगत फाइनल (क्यनान चेनाई, पृथ्वीराज टोइंडमन, जोरावर सिंह संधू) – सुबह 6:30 बजे से

महिला ट्रैप क्वालिफिकेशन स्टेज 2, टीम पदक और व्यक्तिगत फाइनल (राजेश्वरी कुमारी, मनीषा कीर, प्रीति रजक) – सुबह 6:30 बजे से

स्क्वैश

मिश्रित युगल पूल ए (दीपिका पल्लीकल/हरिंदरपाल सिंह संधू): भारत बनाम कोरिया – सुबह 8:30 बजे से

मिश्रित युगल पूल डी (अनाहत सिंह/अभय सिंह): भारत बनाम फिलीपींस – सुबह 10:00 बजे से

पुरुष एकल राउंड ऑफ 32: महेश मनगांवकर (भारत) बनाम जोनाथन रेयेस (फिलीपींस) – दोपहर 1:30 बजे से

मिश्रित युगल पूल ए (दीपिका पल्लीकल/हरिंदरपाल सिंह संधू): भारत बनाम पाकिस्तान – दोपहर 1:30 बजे से

मिश्रित युगल पूल डी (अनाहत सिंह/अभय सिंह): भारत बनाम पाकिस्तान – दोपहर 3:00 बजे से

वालीबॉल

महिला प्रिलिमिनरी राउंड पूल ए: भारत बनाम चीन – शाम 4:30 बजे से

पदक तालिका

देश	स्वर्ण	रजत	कांस्य	कुल
चीन	114	68	34	216
जापान	28	38	39	105
कोरिया	27	29	54	110
भारत	10	14	14	38
उज्बेकिस्तान	10	11	16	37
थाईलैंड	08	04	14	26
चीनी ताइपै	07	09	09	25
हांगकांग	05	15	18	38
उत्तर कोरिया	05	07	04	16
ईरान	03	11	11	25

प्रधानमंत्री मोदी ने पदक जीतने वाले खिलाड़ियों की सराहना की

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शनिवार को हांगझोउ एशियाई खेलों में भारत के पदक विजेताओं की सराहना की। मोदी ने 'एक्स' (पूर्व में ट्विटर) पर कहा, ''प्रतिभाशाली सौरव घोषाल, अभय सिंह, संधू हरिंदर और महेश मंगावंकर की हमारी स्क्वाश पुरुष टीम को एशियाई खेलों में शानदार जीत और प्रतिष्ठित स्वर्ण पदक लाने पर बधाई। उन्होंने कहा, ''यह प्रयास कई युवा खिलाड़ियों को खेल में आने और इसमें उत्कृष्टता हासिल करने के लिए प्रेरित करेगा। भारत बहुत खुश है। अभय सिंह ने उतार चढ़ाव भरे मैच में गजब का संयम दिखाते हुए नूर जमां को हराकर अपने करियर की सबसे बड़ी फतह हासिल की जिससे शीर्ष वरीय भारत ने पुरुष टीम स्क्वाश स्पर्धा में चिर प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान को रोमांचक मुकाबले में 2-1 से हराकर स्वर्ण पदक जीत लिया।

महिला हॉकी : कोरिया के खिलाफ बढ़े मनोबल के साथ उतरेगी भारतीय टीम

हांगझोउ, 30 सितंबर

लगातार दो मैचों में एकतरफा जीत हासिल करने वाली भारतीय महिला टीम एक अक्टूबर को एशियाई खेलों में बढ़े हुये मनोबल के साथ मजबूत कोरिया के खिलाफ जीत की हैट्रिक लगाने के इरादे से मैदान पर उतरेगी।

भारत ने अपने शुरुआती गेम में सिंगापुर के खिलाफ 13-0 की शानदार जीत के साथ अपनी श्रेष्ठता का प्रदर्शन किया, इसके बाद शुक्रवार को मलेशिया पर 6-0 की शानदार जीत दर्ज की। इन जीतों ने भारतीयों की फॉर्म और स्वर्ण पदक जीतने के उनके दृढ़ संकल्प को उजागर किया।

दूसरी ओर, कोरिया भी शानदार फॉर्म में है, उसने सिंगापुर के खिलाफ 4-0 से जीत दर्ज की है और अपने पिछले मैचों में हांगकांग पर 7-0 की शानदार जीत दर्ज की है। दोनों टीमों के बीच खेले गए 19 मैचों में 11 जीत के साथ कोरिया का पलड़ा भारी है। भारत ने छह जीत हासिल की हैं, और दो मैच ड्रॉ पर समाप्त हुए हैं। यह इतिहास आगामी मुकाबले में एक दिलचस्प आयाम जोड़ता है, जिसमें भारत अपने कोरियाई समकक्षों के खिलाफ अपने रिकॉर्ड में सुधार करने के लिए उत्सुक है।

भारतीय कप्तान सविता ने आगामी चुनौती को लेकर कहा '' कोरिया का सामना हमेशा एक कठिन लड़ाई होती है, और इतिहास बताता है कि उनका पलड़ा भारी रहा है। हालांकि, अब हम एक अलग टीम हैं, आत्मविश्वास और दृढ़ संकल्प से भरी हुई हैं। हम मैदान पर अपना सब कुछ देने और अपने देश को गौरवान्वित करने के लिए तैयार हैं। हमारा लक्ष्य अपनी सर्वश्रेष्ठ हॉकी खेलना और जीत हासिल करना है। भारतीय महिला हॉकी टीम की उप कप्तान दीप ग्रेस एक्का ने कहा, '' टीम इस मैच की तैयारी के लिए अथक प्रयास कर रही है। हम कोरिया की क्षमताओं का सम्मान करते हैं, लेकिन हमें अपनी क्षमताओं पर भी भरोसा है। पहले के खेलों में हमारी जीत ने हमारा मनोबल बढ़ाया है, और हम इस चुनौती का डटकर सामना करने के लिए तैयार हैं। यह एक रोमांचक मैच होने वाला है और हमारा लक्ष्य कड़ी टक्कर देना है।''

भारत वर्तमान में ग्रुप ए तालिका में दो मैचों में छह अंकों के साथ शीर्ष पर है और दूसरे स्थान पर मौजूद कोरिया से बेहतर गोल अंतर है, जिसने दो मैचों में छह अंक अर्जित किए हैं।

भारत बनाम इंग्लैंड वार्म मैच बारिश के कारण रद्द

गुवाहटी। विश्व कप से पहले भारत और इंग्लैंड के बीच शनिवार को वार्म मैच में बारिश के कारण बगैर गेंद फेंके रद्द घोषित कर दिया है और दोनो टीमों को अभ्यास का मौका नहीं मिल सका। भारतीय कप्तान रोहित शर्मा ने टास जीत कर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला लिया मगर बारिश के चलते दोनो टीमें मैदान पर नहीं उतर सकी। शाम पांच बजे तक बारिश की तीव्रता में कमी आयी थी जिसके बाद अभ्यास मैच के शुरु होने की संभावना बढ गयी थी मगर आउट फील्ड के गीली होने और रिमझिम बरसात होने के चलते अंपायरों ने शाम साढ़े पांच बजे मैच को रद्द करने की घोषणा की। दोनों ही टीमों का यह पहला अभ्यास मैच था। इंग्लिश टीम शुक्रवार दोपहर में गुवाहाटी पहुंची थी जिसके चलते उन्हें मौसम के साथ खुद को ढालने का मौका भी नहीं मिल पाया। आज का वार्म अप दोनो टीमों को अभ्यास का बेहतरीन मौका दे सकता था।

नहीं सोचा था कि तीसरे विश्व कप में भी खेलूंगा: अश्विन

गुवाहटी, 30 सितंबर

चोटिल अक्षर पटेल के स्थान पर अंतिम समय में विश्व कप के लिये भारतीय टीम में चुने गये रविचंद्रन अश्विन ने कहा कि जीवन अचरज और रोमांच से भरा होता है। उन्होने सोचा नहीं था कि उन्हे तीसरी बार विश्व कप की टीम में शामिल किया जायेगा। अश्विन ने शनिवार को कहा कि तीन महीने पहले किसी ने कहा होता कि मैं विश्व कप खेलूंगा तो मैं बोलता कि आप मजाक कर रहे हैं मगर लाइफ सरप्राइज़ से भरी होती है। सच कहूं तो मैंने कभी नहीं सोचा था कि मैं यहां रहूंगा। परिस्थितियों ने मुझे यहां ख़ड़े होने का मौका दिया है। टीम मैनेज़मेंट ने मेरे ऊपर भरोसा ज़ताया है। विश्व कप से ठीक पहले टीम में चुने जाने पर पड़ने वाले दवाब को लेकर उन्होने कहा कि दवाब झेलना ऐसे टूर्नामेंट्स में काफ़ी अहम होता है और यही तय करेगा कि टूर्नामेंट कैसा ज़ाएगा। ये भारत के लिए मेरा आखिरी विश्व कप हो सकता है तो इसका लुत्फ़ लेना सबसे अधिक ज़रूरी है। गौरतलब है कि अश्विन को अक्षर पटेल की जगह भारत की विश्व कप टीम में शामिल किया गया है, जो इस महीने की शुरुआत में श्रीलंका में टीम के एशिया कप अभियान के दौरान घायल हो गए थे। अश्विन के लिये यह तीसरा मौका है जब वह विश्व कप के लिये भारत का प्रतिनिधित्व करेंगे। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ हाल ही में संपन्न सीरीज में अश्विन ने बेहतरीन प्रदर्शन कर ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाजों को परेशान किया था। इस महीने की शुरुआत में टीम में शामिल किए गए अक्षर को

बांग्लादेश के खिलाफ एशिया कप सुपर फोर मुकाबले के दौरान बाएं क्वाड्रिसेप्स में खिंचाव आ गया था। अगर ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सीरीज को छोड़ दें तो अश्विन ने आखिरी बार 2022 में दक्षिण अफ्रीका में एक दिवसीय सीरीज खेली थी। उन्होने 115 एक दिवसीय अंतरराष्ट्रीय मैचों में अब तक 155 विकेट लिये हैं। भारत अपने विश्व कप अभियान की शुरुआत चेन्नई के एमए चिदंबरम स्टेडियम में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ करेगा। इस मुकाबले में अश्विन के अंतिम एकादश में शामिल होने की पूरी उम्मीद है।

वॉर्म अप मैच में स्टार्क की हैट्रिक पर बारिश ने फेरा पानी

ऑस्ट्रेलिया बनाम नीदरलैंड मैच हुआ रद्द

तिरुवनंतपुरम, 30 सितंबर

आईसीसी वनडे विश्व कप 2023 से पहले वॉर्म अप मैच में ऑस्ट्रेलिया के तेज गेंदबाज मिचेल स्टार्क ने अपनी गेंदबाजी बरपाना शुरू कर दिया है। स्टार्स ने नीदरलैंड्स के खिलाफ लगातार तीन गेंद में हैट्रिक लेकर विश्व कप के लिए अपनी मंशा साफ कर दी है कि बल्लेबाजों के लिए वह बड़ी मुसीबत बनने वाले हैं। बारिश प्रभावित मुकाबले में स्टार्क ने नीदरलैंड के लिए खिलाफ पारी के पांचवें ओवर की अंतिम दो गेंद पर मैक्स ओ'डॉड और वेस्ली बर्रेसी को आउट किया। इसके बाद सातवां ओपनर करने स्टार्क ने पहली गेंद पर बास डी लीडे को बोल्ड कर अपनी हैट्रिक को पूरा किया।

हालांकि ऑस्ट्रेलिया और नीदरलैंड्स के बीच खेले गए इस मैच को आधिकारिक दर्जा नहीं है, जिसके कारण स्टार्क के व्यक्तिगत उपलब्धि में इसे शामिल नहीं किया जाएगा, लेकिन भारतीय पिचों पर उनकी इस तरह की गेंदबाजी विरोधियों के लिए निश्चित रूप से किसी चेतावनी से कम नहीं है।

ऑस्ट्रेलिया और नीदरलैंड्स के बीच यह मुकाबला बारिश के कारण बाधित रहा। बारिश रुकने के बाद मुकाबले को 23-23 के लिए निर्धारित किया गया। मैच में ऑस्ट्रेलिया की टीम ने पहले बल्लेबाजी की और 23 ओवर में 166 रन का स्कोर खड़ा किया। ऑस्ट्रेलिया के लिए बल्लेबाजी में स्टीव स्मिथ ने ओपनिंग करते हुए 52 रनों की अर्धशतकीय पारी खेली।

इसके अलावा कैमरून ग्रीन ने 26 गेंद में 34 रन बनाए। वहीं एलेक्स कैरी ने 28 रन और मिचेल स्टार्क ने बैटिंग से भी शानदार खेल का प्रदर्शन करते हुए 24 रनों की बेहतरीन पारी खेली। 167 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी नीदरलेंड्स के टीम की शुरुआत कुछ खास नहीं रही। ऑस्ट्रेलिया ने सिर्फ 5 रन के स्कोर पर पहला विकेट हासिल कर लिया। इसके बाद स्टार्क की हैट्रिक से तो मानों डच खिलाड़ी थर्रा से गए।

नीदरलेंड्स के लिए सिर्फ कॉलिन एकरमैन ही एक ऐसे खिलाड़ी थे जो बैटिंग में कुछ देर के लिए क्रीज पर टिक सके। उन्होंने 32 रनों का योगदान दिया। इसके अलावा स्कॉट एडवर्डस ने 14 बनाए। वहीं इस बीच नीदरलेंड्स की पारी का 14.2 ओवर ही हुए थे कि बारिश ने फिर से खलल डाल दी और मैच को रोकना पड़ गया। इस समय तक नीदरलेंड्स ने 6 विकेट गंवाकर सिर्फ 84 रन ही बनाए थे।

बेन स्टोक्स की वापसी से मजबूत हुई बटलर की टीम

मुंबई, 30 सितंबर

दिग्गज हरफनमौला बेन स्टोक्स के संन्यास से वापस आने और 2019 का खिताब जीतने वाली टीम के ज्यादातर सदस्यों की मौजूदगी के कारण इंग्लैंड पांच अक्टूबर से शुरू होने वाले 50 ओवर के विश्व कप के दौरान भारत में चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों में पिछली सफलता को दोहराना चाहेगा।

इंग्लैंड की टीम में गेंदबाजी और बल्लेबाजी दोनों विभागों में विकल्प की कोई कमी नहीं है लेकिन टीम के लिए भारत की परिस्थितियों से सामंजस्य बैठाना चुनौतीपूर्ण होगा।

टीम के खिलाड़ी इंडियन प्रीमियर लीग में खेलने के अपने अनुभव का विश्व कप में फायदा उठाना चाहेंगे। जोस बटलर की अगुवाई में टीम पांच अक्टूबर को गत उपविजेता न्यूजीलैंड के खिलाफ अहमदाबाद में अपने विश्व कप अभियान का आगाज करेगी।

मौके पर हुई है स्टोक्स की वापसी

स्टोक्स की मौजूदगी से टीम काफी मजबूत दिख रही है। उनके पास ऐसे कई खिलाड़ी भी हैं जो जानते हैं कि वैश्विक टूर्नामेंट कैसे जीता जाता है। टीम का बल्लेबाजी क्रम लंबा है और इस प्रारूप में बेखौफ बल्लेबाजी किसी भी टीम को दबाव में ला सकती है। खराब फॉर्म में चल रहे जेसन रॉय के स्थान पर हैरी ब्रूक को शामिल करने से बल्लेबाजी और मजबूत हुई है। उनके पास जो रूट जैसे अनुभवी बल्लेबाज है। तेज गेंदबाज जोफ्रा आर्चर रिजर्व खिलाड़ी होंगे, लेकिन मार्क वुड की तेज गति और लेग स्पिनर आदिल राशिद भारतीय पिचों पर उनके लिए महत्वपूर्ण होंगे।

भारत की धीमी पिचों पर होगी परीक्षा

कप से पहले इंग्लैंड को उपमहाद्वीप की परिस्थितियों में ज्यादा खेलने का मौका नहीं मिला है। टीम ने घरेलू परिस्थितियों में न्यूजीलैंड को 3-1 से हराया था लेकिन टूर्नामेंट में खेल रही कुछ अन्य टीमों की तरह उसने हाल-फिलहाल में उपमहाद्वीप में नहीं खेला है। टीम को आक्रामक बल्लेबाजी का पिछले कुछ समय में काफी फायदा मिला है लेकिन भारत की धीमी पिचों में इसकी परीक्षा होना बाकी है।

सफेद गेंद प्रारूप में परफॉरमेंस है शानदार

इसमें कोई शक नहीं की इंग्लैंड ने सफेद गेंद के प्रारूप में पिछले कुछ समय में शानदार प्रदर्शन किया है। टीम टेस्ट में 'बाजबॉल' की अपनी शैली को इस प्रारूप में आजमा रही है। इसकी झलक न्यूजीलैंड के खिलाफ श्रृंखला में भी दिखी जहां स्टोक्स ने 124 गेंद में 182 रन ठोक डाले।

स्पिनरों से कड़ी चुनौती मिलेगी

इंग्लैंड ने इस साल सिर्फ 10 एकदिवसीय मैच खेले हैं। बटलर के बल्लेबाजों को स्पिनरों और खास कर एशियाई देशों के ऐसे गेंदबाजों से कड़ी चुनौती मिलेगी।

आकलन

1975 से 2019 तक विश्व कप में इंग्लैंड का सफर

1975 सेमीफाइनल
1979 उपविजेता
1983 सेमीफाइनल
1987 उपविजेता
1992 उपविजेता
1996 क्वार्टर फाइनल
1999 पूल चरण
2003 पूल चरण
2007 सुपर 8
2011 क्वार्टर फाइनल
2015 पूल चरण
2019 चैंपियंस

न्यूजीलैंड को विलियमसन से खिताबी सूखा खत्म करने की उम्मीद

मुंबई, 30 सितंबर

न्यूजीलैंड की टीम एकदिवसीय विश्व कप में लगातार अच्छा प्रदर्शन करने के बाद भी खिताब जीतने में अब तक विफल रही है। टीम पिछले चार विश्व कप के सेमीफाइनल में पहुंची है। केन विलियमसन की अगुवाई में टीम 2019 में फाइनल में पहुंच कर खिताब के बेहद करीब पहुंच कर चैम्पियन बनने से चूक गयी।

नियमित ओवरों के खेल के बराबरी पर छूटने के बाद सुपर ओवर में भी दोनों टीम का स्कोर बराबर रहा। इसके बाद अधिक बाउंड्री लगाने के अजीब नियम के कारण इंग्लैंड की टीम विजेता बनी। आंकड़े हालांकि इस बात की तस्दीक करते है कि भारत में न्यूजीलैंड को संघर्ष करना पड़ता है लेकिन विश्व कप में यह टीम हमेशा अपने खेल के स्तर को ऊंचा उठाती रही है।

लगातार दो बार से पहुंच रही है फाइनल में

विश्व कप में टीम हमेशा अपने प्रदर्शन के स्तर को ऊंचा उठाने के लिए जानी जाती है। टीम 2015 और 2019 में पिछले दो आयोजनों में फाइनल में पहुंचने में सफल रही थी। उसने 2021 में विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप के साथ आईसीसी के खिताबी सूखे को खत्म किया। टीम में युवा और अनुभव का शानदार मिश्रण है। डेवोन कॉनवे, डेरिल मिशेल और ग्लेन फिलिप्स जैसे खिलाड़ियों को विलियमसन, टिम साउथी और ट्रेंट बोल्ट का मार्गदर्शन मिलेगा। मिशेल सेंटनर और ईश सोढ़ी जैसे अनुभवी स्पिनर भारतीय परिस्थितियों में कारगर होंगे। तेज गेंदबाजी में बोल्ट और साउदी को लॉकी फर्ग्यूसन और मैट हेनरी का साथ मिलेगा।

भारत में न्यूजीलैंड का रिकॉर्ड है खराब

भारत में न्यूजीलैंड का एकदिवसीय रिकॉर्ड काफी निराशाजनक है। टीम ने 61 मैचों में केवल 18 जीत दर्ज की है। उसे 47 मैचों में हार का सामना करना पड़ा है जबकि दो मैच बिना किसी परिणाम के समाप्त हुए हैं। विलियमसन इंग्लैंड के खिलाफ अहमदाबाद में न्यूजीलैंड के शुरुआती मैच के लिए उपलब्ध नहीं होंगे क्योंकि वह घुटने की चोट से जूझ रहे हैं। उन्हें यह चौट आईपीएल 2023 के दौरान लगी थी। टूर्नामेंट में विलियमसन का प्रदर्शन काफी हद तक न्यूजीलैंड के भाग्य को तय कर सकता है। बत्तीस साल का यह खिलाड़ी भारतीय परिस्थितियों में टीम का सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाज है।

इस तिकड़ी के लिए यह बेहतर मौका

विलियमसन, बोल्ट और साउथी की तिकड़ी के लिए यह विश्व कप न्यूजीलैंड के लिए एक और आईसीसी ट्रॉफी जीतने का आखिरी मौका हो सकता है। कॉनवे ने इस साल चेन्नई सुपर किंग्स के साथ आईपीएल ट्रॉफी जीती थी। बाएं हाथ का यह बल्लेबाज भारत में सफेद गेंद प्रारूप में अपनी सफलता को और आगे बढ़ाने के लिए उत्सुक होगा। मिशेल बल्ले और गेंद दोनों से न्यूजीलैंड के लिए अहम खिलाड़ी रहे हैं। फिलिप्स, विल यंग और यहां तक कि रचिन रवींद्र भी अपना योगदान देना चाहेंगे।

हालिया जीत से टीम का मनोबल है ऊंचा

भारत में खराब रिकॉर्ड के अलावा न्यूजीलैंड को इस साल मई में पाकिस्तान ने अपनी सरजमीं पर पांच मैचों की श्रृंखला में 4-1 से हराया था। न्यूजीलैंड ने हालांकि जनवरी में पाकिस्तान के खिलाफ 2-1 और हाल ही में बांग्लादेश को उसके घरेलू मैदान पर तीन मैचों की सीरीज को 2-0 से जीतकर विश्व कप की तैयारियों को पुख्ता किया है।

1975 से 2019 तक विश्व कप में न्यूज़ीलैंड का सफर

1975- सेमीफाइनलिस्ट
1979- सेमीफाइनलिस्ट
1983- ग्रुप स्टेज
1987- ग्रुप स्टेज
1992- सेमीफाइनलिस्ट
1996- क्वार्टर फाइनलिस्ट
1999- सेमीफाइनलिस्ट
2003- सुपर 6
2007- सेमीफाइनलिस्ट
2011- सेमीफाइनलिस्ट
2015- रनरअप
2019- रनरअप

आकलन

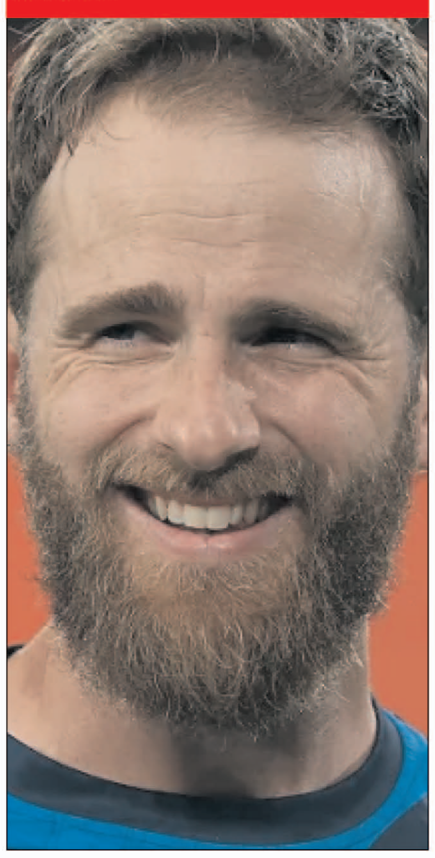

ऑस्ट्रेलिया ने किया 'डुप्लीकेट अश्विन' महेश पिठिया को कॉल, ठुकराया ऑफर

बड़ौदा, 30 सितंबर

आईसीसी वनडे वर्ल्ड कप 2023 से पहले ऑस्ट्रेलिया टीम मैनेजमेंट ने आर अश्विन के डुप्लीकेट महेश पिठिया को कॉल-अप किया। लेकिन पिठिया ने ऑस्ट्रेलिया का यह ऑफर ठुकरा दिया है। दरअसल, महेश पिठिया भारतीय घरेलू क्रिकेट में बड़ौदा के लिए खेलते है और बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी के दौरान महेश ने ऑस्ट्रेलियाई शिवर में काम किया था। अक्षर पटेल के वर्ल्ड कप से बाहर होने के बाद अश्विन को चुना गया है, जिसके बाद महेश को यह ऑफर आया।

महेश पिठिया ने स्पोर्टस्टार को बताया कि ''यह निश्चित रूप से एक रोमांचक प्रस्ताव था, लेकिन फिर, मैं अगले महीने से शुरू होने वाले घरेलू सीज़न के लिए बड़ौदा सेट-अप का भी हिस्सा हूं। इसलिए, मैंने इसके बारे में सोचा, हमारे कोच से बात की और उन्हें सूचित किया कि इस बार मेरे लिए शिविर में शामिल होना संभव नहीं होगा। उन्होंने आगे कहा कि ''जैसे ही बीसीसीआई ने अक्षर के प्रतिस्थापन के रूप में अश्विन की घोषणा की, मुझे फोन आया। अंतरराष्ट्रीय टीमों के साथ काम करना हमेशा रोमांचक होता है, लेकिन मेरी प्राथमिकता घरेलू क्रिकेट है। मैं बड़ौदा के लिए खेलने के कारण यहां तक ??आया हूं और लंबे सीज़न से पहले, मैंने सोचा कि मुझे अपने खेल पर ध्यान देना चाहिए और ऑस्ट्रेलियाई टीम में शामिल नहीं होना चाहिए।''

कुलदीप विश्व कप में भाग ले रहे स्पिनरों में सर्वश्रेष्ठ : इंतिखाब आलम

हैदराबाद, 30 सितंबर

पाकिस्तान के पूर्व कप्तान इंतिखाब आलम का मानना ??है कि कुलदीप यादव आगामी विश्व कप में भाग लेने वाले स्पिन गेंदबाजों में सर्वश्रेष्ठ हैं और उनकी मौजूदगी 50 ओवर के प्रारूप के बीच के ओवरों में भारत के लिए फायदेमंद होगी।

इस 28 साल के वामहस्त गेंदबाज को विश्व कप के दौरान घरेलू मैदान पर भारत के तुरुप के इक्के के रूप में देखा जा रहा है। कुलदीप ने इस साल 17 वनडे मैचों में 16.03 की औसत से 33 विकेट लिए हैं। घुटने की चोट से वापसी के बाद कुलदीप ने अपनी हाथों की गति और कोण पर काम किया है, जिससे उन्हें बीच के ओवरों में विकेट लेने में मदद मिली है। आलम ने कहा कि 14 अक्टूबर को पाकिस्तान के खिलाफ मैच में कुलदीप की मौजूदगी से भारत का पलड़ा भारी रहेगा।

आलम ने शनिवार को कहा कि भारत ने जिस तरह से एशिया कप और उसका फाइनल खेला उससे पता चलता है कि उन्हें हराना काफी मुश्किल होगा। उनके पास शानदार स्पिन गेंदबाज है। कुलदीप विश्व कप में बड़ी भूमिका निभायेंगे। वह हर टीम के बल्लेबाज को चुनौती पेश करेंगे। उन्होंने कहा कि रविंद्र जडेजा और कुलदीप की जोड़ी खतरनाक है। कुलदीप मैच विजेता खिलाड़ी है। मेरा मानना है कि वह इस विश्व कप का सबसे सर्वश्रेष्ठ स्पिनर है। भारत के पास अब रविचंद्रन अश्विन का भी विकल्प है। अविभाजित भारत में

पंजाब के होशियारपुर में जन्में इस 81 साल के पूर्व दिग्गज ने कहा कि विराट कोहली, रोहित शर्मा और शानदार लय में चल रहे शुभमन गिल जैसे बल्लेबाजों की मौजूदगी से भारत इस विश्व के खिताब का बड़ा दावेदार है।

दोनों वर्गों में झारखंड उपविजेता

महिला व पुरुष वर्ग में ओड़िशा बना चैंपियन, बिहार चौथे स्थान पर

रांची, 30 सितंबर

हॉकी एसोसिएशन ऑफ ओडिशा ने शनिवार को पहली हॉकी इंडिया सब जूनियर ईस्ट जोन चैंपियनशिप में सब जूनियर पुरुष और महिला वर्ग में खिताब जीता। ओडिशा ने हॉकी झारखंड को 2-1 से हराकर पहली हॉकी इंडिया सब जूनियर महिला ईस्ट जोन चैंपियनशिप का फाइनल जीत लिया। ओडिशा के लिए द्रुपति नाइक (39वें मिनट) और अंजना ज़ाक्सा (37वें मिनट) ने गोल दागे जबकि आइंद नेहा (57वें मिनट) ने हॉकी झारखंड के लिए एकमात्र गोल किया। पुरुष वर्ग के फाइनल में ओड़िशा ने झारखंड को 3-1 से पराजित किया। इस बीच, सब जूनियर महिला वर्ग के तीसरे/चौथे स्थान के मैच में मणिपुर हॉकी ने हॉकी बिहार को 3-1 से हराया। मणिपुर हॉकी के लिए, सेराम हेनथोई चानू (3?), कप्तान प्रिंजा देवी मोइरांगथेम (6?) और जेरिना चोंगथम (47?) ने गोल किए। हॉकी बिहार की ओर से एकमात्र गोल बिजली कुमारी (30?) ने किया। पुरुष वर्ग के तीसरे/चौथे स्थान के मुकाबले में मणिपुर ने हॉकी बिहार को 3-1 से पराजित किया। सब जूनियर महिला वर्ग के ग्रुप चरण में, हॉकी एसोसिएशन ऑफ ओडिशा पांच मैचों में से चार जीत और 13 अंकों के साथ तालिका में शीर्ष पर रही, जबकि हॉकी झारखंड पांच मैचों में से चार जीत और 12 अंकों के साथ दूसरे स्थान पर रही।

सबजूनियर बालक फुटबॉल में बिहार ने त्रिपुरा को 11-0 से हराया

जूनियर बालक फुटबॉल में दिल्ली से हारा बिहार

पटना, 30 सितंबर

राष्ट्रीय फुटबॉल प्रतियोगिता में शनिवार को खेले गए दो मुकाबले में बिहार को मिश्रित सफलता मिली। एक मैच में उसे बंपर जीत मिली तो दूसरे मैच में बिहार के खिलाड़ियों ने बढ़िया खेल दिखाया पर उसे हार खानी पड़ी। सबजूनियर बालक फुटबॉल में बिहार ने त्रिपुरा को 11-0 से हराया जबकि जूनियर बालक फुटबॉल में बिहार को दिल्ली ने 0-1 से पराजित किया।

सबजूनियर फुटबॉल में राजकरण ने दागे चार गोल

बिहार ने अनंतपुरम (आन्ध्र प्रदेश) में चल रही राष्ट्रीय सब जूनियर बालक फुटबॉल प्रतियोगिता में शनिवार को ग्रुप ए के मैच में त्रिपुरा के 1१-0 से रौंद दिया। टीयर दो की इस प्रतियोगिता में बिहार की तीन मैचों में यह दूसरी जीत है। एक अन्य मैच ड्रॉ रहा है। बिहार के लिए इस मैच में राजकरण कुमार ने चार गोल दागे। उन्होंने खेल के सातवें, 17वें, 59वें औरय 65वें मिनट में गोल किया। निलेश कुमार (12, 27, 45वें) ने तीन और विक्रम राजवंशी (42, 44वें) ने दो गोल किये। एक-एक गोल आलोक कुमार (57) और करण हेम्ब्रम (60) ने दागा।

दिल्ली से हारा बिहार

जबलपुर में चल रही टीयर दो की जूनियर राष्ट्रीय बालक फुटबॉल प्रतियोगिता के ग्रुप सी के मैच में बिहार को दिल्ली ने 1-0 से हरा दिया। दिल्ली के लिए एकमात्र गोल खेल के 73वें मिनट में उत्तम नागशेपन ने किया। बिहार की तीन मैचों में यह दूसरी हार है।

डीएवी, बीएसईबी को हरा संत माइकल हाईस्कूल चैंपियन

डॉ शत्रुघ्न प्रसाद मेमोरियल अंतर स्कूल टेबुल टेनिस प्रतियोगिता का आगाज

पटना, 30 सितंबर। राजधानी के बिहार यंग मेंस्ट इंस्टीच्यूट में शनिवार को डॉ शत्रुघ्न प्रसाद मेमोरियल अंतर स्कूल टेबुल टेनिस प्रतियोगिता का शानदार आगाज हुआ। इसमें विभिन्न स्कूलों के 100 खिलाड़ी हिस्सा ले रहे हैं। इस प्रतियोगिता में जूनियर बालक/बालिका टीम चैंपियनशिप, सीनियर बालक/बालिका टीम चैंपियनशिप के अलावा एकल स्पर्धाएं आयोजित की जायेंगी। इस प्रतियोगिता के सीनियर बालक टीम चैंपियनशिप में संत माइकल हाईस्कूल ने डीएवी, बीएसईबी को सीधे सेटों में 3-0 से पराजित कर खिताब अपने नाम किया। इस प्रतियोगिता का उद्घाटन विधान पार्षद डॉ राजेंद्र प्रसाद गुप्ता ने किया और धन्यवाद व्यक्त बिहार टेबुल टेनिस संघ के सचिव राजीव रतन सिंह ने किया। इस मौके पर बिहार टेबुल टेनिस संघ के पूर्व सचिव मुकेश राय, उपसचिव संजय कुमार, पूर्व राज्य चैंपियन दिलीप कुमार गांधी, राष्ट्रीय खिलाड़ी किशन राज, सोमनाथ राय, पीयूष डी गांधी मौजूद थे। इस प्रतियोगिता में मुख्य निर्णायक पंकज पांडे ने मंच संचालन किया। प्रतियोगिता के जूनियर बालक टीम में संत जोसेफ कान्वेंट हाईस्कूल और लोयोला हाईस्कूल ने फाइनल में प्रवेश किया।

रांची में चंपा देवी स्मृति झारखंड राज्य टेबुल टेनिस का शानदार आगाज

रॉंची, 30 सितंबर

रांची के जेके इंटरनेशनल स्कूल में शनिवार को चंपा देवी स्मृति तृतीय झारखंड राज्य टेबुल टेनिस चैंपियनशिप का शानदार आगाज हुआ। मुख्य अतिथि झारखंड राज्य क्रिकेट संघ के पूर्व अध्यक्ष एवं सामाजिक कार्यकर्ता अजय नाथ शहदेव, झारखंड टेबुल टेनिस संघ के अध्यक्ष जीतेन्द्र कुमार सिंह, झारखंड टेबुल टेनिस संघ के पूर्व सचिव जय कुमार सिन्हा, वर्तमान सचिव समरजीत सिंह, सुदीप्त मुखर्जी, सैबल गुप्ता, उज्ज्वल कुमार चटर्जी, कमलेश दुबे ने दीप प्रज्ज्वलित कर प्रतियोगिता का उद्घाटन किया। इस प्रतियोगिता में झारखंड राज्य टेबुल टेनिस संघ से मान्यता प्राप्त सभी यूनिटों के खिलाड़ी हिस्सा ले रहे हैं।

प्रतियोगिता के परिणाम यह रहा

अंडर-13 बालिका एकल क्वार्टरफाइनल : अंशिका महाजन (पूर्वी सिंहभूम) ने आयुषी कुमारी (गढ़वा) को 3 - 0 (11-5, 11-3, 11-3), स्नेहा प्रिया (पूर्वी सिंहभूम) ने स्वरनाली माजी (पूर्वी सिंहभूम) को 3-0 (11- 5, 13-11, 11-8), सानवी सिन्हा (रांची) ने शिवांगी मिश्रा (पूर्वी सिंहभूम) को 3-0 (11-8, 11-6, 11-8), अन्वी गोयल (हजारीबाग) ने अनन्या साहा (पूर्वी सिंहभूम) को 3-0 (11-9, 11-2, 11- 9) से हराया

अंडर-13 बालक एकल क्वार्टर फाइनल : हर्षित कुमार पांडे (गढ़वा) ने रोहन पाल (गढ़वा) को 3-0 (12-10, 11-3, 13-11), सचिन कुमार (गढ़वा) ने सिद्धांत पांडा (पूर्वी सिंहभूम) को 3-2 (7-11, 8-11, 11-9, 11-9, 11-8), अलीसाद खान (रांची) ने राजवीर गोयल (हजारीबाग) को 3-0 (11-9, 11-8, 11-9), पृथ्वी घोष (रांची) ने आयुष बनर्जी (रांची) को 3-0 (11-7, 11-5, 11-7) से हराया।

अंडर - 19 बालक एकल क्वार्टर फाइनल : सतरुंजय चक्रवर्ती (रांची) ने दिनेश सेलवम (रांची) को 3-0 (11-7, 11-6, 14-12), अमल कुमार ठाकुर (गढ़वा) ने अनिमेष कुमार पांडे (गढ़वा) को 3-1 (11-9, 12-14, 12-10, 11-7), नीतीश कुमार मेहता (गढ़वा) ने प्रतीक अग्रवाल (हजारीबाग) को 3-0 (11-4, 11-9, 11-7), अमन कुमार पाल (गढ़वा) ने प्रथमवीर भामरा (पूर्वी सिंहभूम) को 3-0 (11-5, 11-7, 11-9) से हराया।

पूर्णिया में शुरू हुआ पनोरमा स्पोर्ट्स का छठा संस्करण, स्कूली खिलाड़ियों का लगा जमावड़ा

बैडमिंटन बालक वर्ग में एकलव्य के खिलाड़ियों का जलवा

पूर्णिया, 30 सितंबर

पनोरमा स्पोर्ट्स सीजन -6 का भव्य आगाज के साथ दूसरे दिन पनोरमा स्पोर्ट्स ई होम्स पूर्णिया में बैडमिंटन बास्केटबॉल एवं वॉलीबॉल स्पर्धा के मैच खेले गए। खराब मौसम के कारण सभी मैच नहीं खेला जा सका। क्रिकेट प्रशिक्षक हरिओम झा ने कहा कि खराब मौसम को देखते हुए आउटडोर गेम्स बैडमिंटन, बास्केटबॉल एवं वॉलीबॉल तत्काल स्थगित कर दिया गया है। इंडोर गेम में शतरंज, टेबुल टेनिस प्रतियोगिता चलती रहेगी।

मैच परिणाम

बैडमिंटनः अंडर 16 आयु वर्ग बालक : अभिषेक कुमार (एकलव्य) ने किशोर कुमार (एकलव्य) को 21-06, 21-11, रौशन कुमार (एकलव्य) ने सुधांशु कुमार (सेंट मोसेस स्कूल) को 21-07,21-03 से हराया। अंडर-16 बालिका वर्ग : सुनिधि भारती (सेंट पीटर्स स्कूल इंग्लिश मीडियम) ने नैंसी राय (विद्या विहार आवासीय विद्यालय परोड़ा) ने 21-03,21-07 सीधे सेटों में हराया।

वॉलीबॉल : अंडर 16 आयु वर्ग बालक : डीएपीएस सुदीन चौक ने सेंट थॉमस मुंशी बारी को 20-13, डीएवी स्कूल ने सेंट पीटर्स स्कूल हिंदी मीडियम को 15-08 से हराया। अंडर-16 बालिका वर्ग : विद्या विहार आवासीय विद्यालय परोरा ने सेंट पीटर्स स्कूल हिंदी मीडियम को 20-15 से हराया।

बास्केटबॉल : अंडर 16 बालक वर्ग : विद्या विहार आवासीय विद्यालय परोरा ने पूर्णिया एथलेटिक्स एकादमी को 30-08 से हराया। अंडर-16 बालिका वर्ग : विद्या विहार आवासीय विद्यालय परोड़ा ने डीएवी स्कूल को 27-0 से रौंदा।

इस अवसर पर उपस्थित पनोरमा स्पोर्ट्स सीजन आयोजन समिति सदस्य मिथिलेश राय, सुनील सुमन, हरिओम झा, मो नैयर अली, मो मंजर मोहशिम, अब्बू आलम, एस एस चटर्जी नुटू दा, एम एच रहमान, अजीत सिंह, रीना बाखला, एस एस सिंह गुड्डू, एस एस प्रसाद पिंटू, इरशाद आलम, बिमल मुकेश, प्रमोद पंसारी, खुशी कुमारी, अनुराधा कुमारी, प्रभारी प्राचार्य दिवा कांत झा, जितेन्द्र कुमार सिन्हा गोपी, सैयद जब्बार हुसैन, राजीव कुमार, बब्लू चौधरी, मौ एजाज अहमद, डा आलोक कुमार सिंह, राणा प्रताप सिंह, विक्की, पुनित कुमार सिंह, अमृत साजन, सन्नी कुमार, अभिषेक कुमार, रितेश कुमार झा, सेंट मोसेस स्कूल के प्राचार्य, सेंट पीटर्स स्कूल हिंदी मीडियम के प्राचार्ज सिस्टर बंदिता, स्कूल निदेशक निलेश, मुरारी झा, तौफीक आलम, अमित लकड़ा, रमण मंडल, पटनायक आदि उपस्थित थे।

पांचवी बालकेश्वर प्रसाद स्मृति शतरंज प्रतियोगिता शुरू

पटना,30 सितंबर

अखिल बिहार शतरंज संघ से मान्यता प्राप्त एमवीपी चेस क्लब, पटना के तत्वावधान में प्रखंड सह अंचल कार्यालय पटना सदर, कुम्हरार पटना में आज से पांचवी बालकेश्वर प्रसाद स्मृति तीन दिवसीय शतरंज प्रतियोगिता शुरू हुई। प्रतियोगिता का विधिवत उदघाटन वरीय कोषागार पदाधिकारी, पटना कोषागार, अरुण कुमार ने दीप प्रज्वलित कर व शतरंज खेलकर किया।

मुख्य अतिथि अरुण कुमार ने खिलाड़ियों को संबोधित करते हुए कहा कि शतरंज खेलने वाले खिलाड़ी मानसिक रुप से स्वस्थ्य होने के साथ-साथ सभी कार्यों में दक्ष होते हैं। शतरंज को विद्यालय से लेकर महाविद्यालय स्तर पर प्रोत्साहित करने की आवश्यकता है। बच्चों के सर्वांगीण विकास में शतरंज खेल की महत्वपूर्ण भूमिका हो सकती है। समारोह की अध्यक्षता एमवीपी चैस क्लब के अध्यक्ष डॉ.अरविंद कुमार ने किया। विशिष्ठ अतिथि ऑल बिहार शतरंज संघ के वरीय उपाध्यक्ष राजेंद्र कुमार थे। जबकि सम्मानित अतिथि शैलेश कुमार, असिस्टेंट ट्रेजर ऑफिसर, रीमा राज असिस्टेंट ट्रेजरी ऑफिसर, चंद्र मोहन सिन्हा, सावित्री सिन्हा, उपाध्यक्ष मिताली मित्रा, मिन्की सिन्हा, पम्मी रानी मौजूद थे। अतिथियों का स्वागत एमवीपी चेस क्लब के सचिव वेद प्रकाश एवं धन्यवाद ज्ञापन प्रतियोगिता के निर्णायक शुभम पांडे ने किया। आज खेले गये पुरुष वर्ग के महत्वपूर्ण मुकाबले में अंतरराष्ट्रीय रायश राम ने नवनीत को, प्रकाश भारद्वाज ने निकेश कुमार को, निलय दयाल ने आदर्श धानुका को, आकर्ष आनंद ने रौशन कुमार को, सूर्य प्रकाश ने दिव्यांश वैभव को, आद्विक ने रचित को पराजित किया जबकि महिला वर्ग में शीर्ष वरीयता प्राप्त मिन्की सिन्हा ने किरण कुमारी को, पम्मी रानी ने निप्पू कुमारी को, मनीषा त्रिवेदी ने निर्मल कुमारी को, प्रिया रानी ने निशा कुमारी को, नूतन आदित्य ने आश्था राठौड़ को पराजित किया। प्रतियोगिता में विभिन्न जिलों के सैकड़ों खिलाड़ी भाग ले रहें हैं।